DOON UNIVERSITY
NEWSPAPER CLIPPING SERVICES

उद्योगों की जरूरत के अनुरूप शिक्षण आवश्यक

दून विवि में उच्च शिक्षा के उभरते आयामों पर कार्यशाला आयोजित

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

दून विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा उच्च शिक्षा के उभरते आयामों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य रूप से इंडस्ट्री की डिमांड के अनुरूप छात्रों को तैयार करने पर जोर दिया गया।

बुधवार को कार्यशाला का शुभारंभ भारतीय वाणिज्य संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. पी. पुरुषोत्तम राव ने किया। प्रो. राव ने कहा कि विश्वविद्यालयों में संचालित किए जाने वाले पाठक्रमों को उद्योग एवं कारपोरेट जगत की आवश्यकतानुरूप तैयार किया जाना

कार्यशाला में विचार व्यक्त करते वक्ता।

जरूरी है। ऐसा न होने पर विद्यार्थी प्रतिस्पर्धा के दौर में सफलता हासिल करने में पीछे रह जाएंगे। इसलिए उद्योगों की जरूरत के अनुसार शिक्षण व प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इसके लिए शिक्षकों को उद्योगों के साथ लगातार संवाद स्थापित करना होगा और उन्हें पाठ्यक्रम निर्माण, नियमित व्याख्यान, कार्यशाला, संगोष्ठियों आदि शामिल करना होगा। इससे शैक्षणिक और उद्योग जगत के बीच की दूरी कम होगी। बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि विवि को राज्य के जन-जन की आकांक्षाओं का शिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। विवि ने अल्प समय में उच्च शिक्षा के विभिन्न नवाचारों का प्रयोग कर शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

कार्यक्रम का संचालन आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. एचसी पुरोहित ने किया। प्रो. रीना सिंह ने सभी का आभार जातया। इस अवसर पर प्रो. राजेश कुमार, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. हर्ष डोभाल, डा. सुनीत नैथानी, डा. सुधांशु जोशी, डा. नरेंद्र रावल, डा. हिमानी शर्मा, डा. कोमल, डा. चारू द्विवेदी, डा. राजेश भट्ट, डा. विपुल गोस्वामी, डा. पल्लवी उप्रेती, डा. राजीव, डा. शिवानी, डा. शैंकी चंद्रा, दीपिका भाटिया, डा. राकेश भट्ट, शिल्पी तिवाड़ी आदि मौजूद थे।

News paper – Rastriya Sahara
Date – 19.09.2024